NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 15

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

प्रस्तुत पाठ एक बालगीत है। एक बालक विस्तृत नील गगन में चंदा मामा की ओर आकर्षित हो अनुरोध करता है कि चंदा मामा आएँ उस पर स्नेह बरसाएँ, उसे गीत सुनाएँ। चंदा मामा कहाँ से आते हैं, कहाँ जाते हैं–यह बात भी उसे अचंभे में डालती है।

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?
कुत्र गमिष्यसि मातुलचंद्र?
अतिशयविस्तृतनीलाकाश:
नैव दृश्यते क्वचिदवकाश:
कथं प्रयास्यसि मातुलचंद्र?
कुत्र आगच्छसि मातुलचंद्र?

शब्दार्था: **(Word Meanings) : कुत:**–कहाँ से (from where), **आगच्छसि**–आते हो (comes), **मातुलचंद्र**–हे चंदामामा (Uncle Moon), **कुत्र**–कहाँ (where), **गमिष्यसि**–जाओगे (will go), **अतिशयविस्तृत**–बहुत ज़्यादा फैला हुआ (spread out so far and wide), **क्वचिद्**–कहीं (anywhere), **प्रयास्यसि**–जाओगे (will go), **कथम्**–किस प्रकार (how)।

अन्वय: मातुलचन्द्र! कुत: आगच्छसि? मातुलचन्द्र! कुत्र गमिष्यसि? अतिशयविस्तृत नीलाकाश: (अस्ति); क्वचिद् अवकाश: नैव (न + एव) दृश्यते: (हे) मातुलचन्द्र! (त्वं) कथं प्रयास्यसि? (हे) मातुलचन्द्र! (त्वम) कुत: आगच्छसि?

सरलार्थ :

हे चंदा मामा! तुम कहाँ से आते हो? कहाँ जाओगे? नीला आकाश बहुत दूर-दूर तक फैला हुआ है, कहीं खाली जगह (अवकाश:) नहीं दिखाई देती। चंदा मामा! तुम कैसे जाओगे? हे चंदा मामा तुम कहाँ से आते हो?

English Translation:

O Uncle Moon! where do you come from, where will you go to? The blue sky is spread far and wide. O Uncle Moon! how will you go (travel) no open space is visible. O Uncle Moon, where do you come from?

LearnCBSE.in

(ख) कथमायासि न भो! मम गेहम्
मातुल! किरसि कथं न स्नेहम्
कदाऽऽगमिष्यसि मातुलचंद्र?
कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?

LearnCBSE.in

शब्दार्थाः (Word Meanings) : कथमायासि (कथम् + आयासि)–कैसे / क्यों आते हो? (how do you come?), **भो**–संबोधन सूचक अव्यय (a symbol for addresing with respect), **गेहम्**–घर (home), **किरसि**–बिखेरते हो (scatter/shower), **स्नेहम्**–स्नेह (affection), **कदा आगामिष्यसि (कदाऽऽगमिष्यसि)**–कब आओगे (when will you come)।

अन्वयः भोः कथम् मम गेहं न आयासि? मातुलः कथम् स्नेहं न किरसि? मातुलचन्द्र! (त्वं) कदा गमिष्यसि?, मातुलचन्द्र! (त्वं) कुतः आगच्छसि?

सरलार्थ :

आप मेरे घर क्यों नहीं आते हो। मामा! तुम स्नेह क्यों नहीं बरसाते हो? चंदा मामा! तुम कब आओगे? चंदा मामा! तुम कहाँ से आते हो?

English Translation:

Why don't you come to my house; O Uncle, why don't you shower affection (on me). O Uncle Moon, when will you come? (I wonder) O Uncle Moon, where you come from?

(ग) धवलं तव चंद्रिकावितानम्
तारकखचितं सितपरिधानम्
मह्यं दास्यसि मातुलचंद्र?
कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?

शब्दार्थाः (Word Meanings) : धवलं–सफ़ेद (white), **चंद्रिकावितानम्**–चाँदनी का फैलाव (extension of moonlight), **तारकखचितम्**–तारों से भरा (full of stars), **सितपरिधानम्**–सफ़ेद चादर / पहनावा (white robe), **मह्यम्**–मुझे / मेरे लिए (me/for me)।

अन्वयः मातुलचन्द्र! तव चन्द्रिकावितानम् धवलम् (अस्ति); (किं त्वं) तारकखचितं सितपरिधानम् मह्यम् दास्यसि? मातुलचन्द्र! कुतः आगच्छसि?

सरलार्थ :

तुम्हारी फैली हुई चाँदनी सफ़ेद है। तुम्हारा सफ़ेद वस्त्र/चादर तारों से भरा है। हे चंदा मामा, क्या तुम (यह वस्त्र) मुझे दोगे? हे चंदा मामा, तुम कहाँ से आते हो?

English Translation:

Your extension/pervasion of moonlight is white. Your white robe is studded with stars. O Uncle Moon! will you give (it) to me? Uncle Moon! where do you come from?

(घ) त्वरितमेहि मां श्रावय गीतिम्
प्रिय मातुल! वर्धय मे प्रीतिम्
किन्नायास्यसि मातुलचंद्र?
कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?

LearnCBSE.in

शब्दार्थाः (Word Meanings) : त्वरितम्–जल्दी (quickly / fast), **एहि**–आओ (come), **श्रावय**–सुनाओ (make me listen), **गीतिम्**–गीत (song), **वर्धय**–बढ़ाओ (increcase/enhance), **प्रीतिम्**–प्यार (love/affection), **किन्नायास्यसि (किम्+न+आयास्यसि)**–क्या नहीं आओगे (will you not come)।

LearnCBSE.in

अन्वयः प्रिय मातुल! (त्वम्) त्वरितम् एहि; माम् गीतिम् श्रावय; (त्वम्) में प्रीतिं वर्धय; मातुलचन्द्र! किं (त्वं) न आयास्यसि? मातुचन्द्र! कुतः आगच्छसि?

सरलार्थ :

जल्दी आओ, मुझे गीत सुनाओ, प्यारे मामा! मेरा प्यार बढ़ाओ, चंदा मामा क्या तुम नहीं आओगे? चंदा मामा कहाँ से आते हो ण्तुम?

English Translation:

Come quickly, sing a song for me, dear uncle, enhance my love (ie give me more love). O Uncle Moon, won't you come? (I wonder) Uncle Moon! where do you come from?

अवधेयम्–

(क) अकारांत शब्दों में संबोधन एकवचन के रूप में विसर्ग नहीं लगता।
यथा– चंद्र अथवा मातुल शब्द संबोधन में– 'हे मातुल' अथवा 'हे मातुल चंद्र' होता है। अर्थात् उसमें विसर्ग नहीं लगता। इसी प्रकार–'बालक' 'मित्र', 'नर', 'छात्र' आदि शब्द भी संबोधन एकवचन में– हे मित्र! हे नर! हे छात्र! आदि होते हैं।

(ख) आकारांत, इकारांत, उकारांत शब्दों में भी संबोधन रूप ध्यातव्य है। यथा–

(*i*) देवी शब्द – हे देवि!	(*i*) बालिका शब्द – हे बालिके!
सखी शब्द – हे सखि!	लता शब्द – हे लते!
(*ii*) मुनि शब्द – हे मुने!	(*ii*) साधु शब्द – हे साधो!
कवि शब्द – हे कवे!	प्रभु शब्द – हे प्रभो!

• अभ्यासः (Exercise) •

प्रश्नः 1. बालगीतं साभिनयं सस्वरं गायत। (बालगीत अभिनय के साथ गाइए– Sing the nursery rhyme with gestures.)

उत्तरम्– छात्र बालगीत स्वयं गाएँ।

प्रश्नः 2. पद्यांशान् योजयत– (पद्यांशों का मिलान कीजिए– Match the verses.)

मातुल! किरसि	सितपरिधानम्
तारकखचितं	श्रावय गीतिम्
त्वरितमेहि मां	चन्द्रिकावितानम्
अतिशयविस्तृत	कथं न स्नेहम्
धवलं तव	नीलाकाशः

LearnCBSE.in

उत्तरम्– मातुल किरसि कथं न स्नेहम्।
तारकखचितम् चंद्रिकावितानम्।
त्वरितमेहि मां श्रावय गीतिम्।
अतिशयविस्तृत नीलाकाशः।
धवलं तव सितपरिधानम्।

प्रश्नः 3. पद्यांशेषु रिक्तस्थानानि पूरयत– (पद्यांशों में रिक्तस्थान भरिए– Fill in the blanks in the verses.)

(क) प्रिय मातुल! .... प्रीतिम्।

(ख) कथं प्रयास्यसि ....।

(ग) ....क्वचिदवकाशः।

(घ) .... दास्यसि मातुलचन्द्र!।

(ङ) कथमायासि न .... गेहम्।

उत्तरम्– (क) वर्धय मे (ख) मातुलचंद्र (ग) नैव दृश्यते (घ) मह्यम् (ङ) भो! मम।

प्रश्नः 4. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत– (प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Answer the questions.)

(क) अस्मिन् पाठे कः मातुलः?
(ख) नीलाकाशः कीदृशः अस्ति?
(ग) मातुलचंद्रः किं न किरसि?
(घ) किं श्रावयितुं शिशुः चंद्र कथयति?
(ङ) चंद्रस्य सितपरिधानम् कथम् अस्ति?

उत्तरम्– (क) अस्मिन् पाठे चंद्रः मातुलः।
(ख) नीलाकाशः विस्तृतः अस्ति।
(ग) मातुलचंद्रः स्नेहं न किरसि।
(घ) गीतिं श्रावयितुं शिशुः चंद्र कथयति।
(ङ) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारकखचितम् अस्ति।

प्रश्नः 5. उदाहरणानुसारं निम्नलिखित पदानि सम्बोधने परिवर्तयत– (उदाहरणानुसार निम्नलिखित पदों को सम्बोधन में बदलिए– Change the words given below into vocative case as per example.)

यथा–चन्द्रः – चन्द्र!
(क) शिष्यः – .... (ख) गोपालः – ....
यथा–बालिका – बालिके!
(क) प्रियंवदा – .... (ख) लता – ....

यथा–फलम् – फल!
(क) मित्रम् – .... (ख) पुस्तकम् – ....
यथा–रविः – रवे!
(क) मुनिः – .... (ख) कविः – ....
यथा–साधुः – साधो!
(क) भानुः – .... (ख) पशुः – ....
यथा–नदी – नदि!
(क) देवी – .... (ख) मानिनी – ....

उत्तरम्– (क) शिष्य! (ख) गोपाल! (क) प्रियंवदे! (ख) लते!
(क) मित्र! (ख) पुस्तक! (क) रवे! (ख) कवे!
(ग) भानो! (ख) पशो! (क) देवि! (ख) मानिनि!

प्रश्नः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत– (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपदों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए– Fill in the blanks by using appropriate indeclinables from the box.)

कुतः	कदा	कुत्र	कथं	किम्

(क) जगन्नाथपुरी .... अस्ति?

(ख) त्वं .... पुरीं गमिष्यसि?

(ग) गङ्गानदी .... प्रवहति?

(घ) तव स्वास्थ्यं .... अस्ति?

(ङ) वर्षाकाले मयूराः .... कुर्वन्ति?

उत्तरम्– (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्।

प्रश्नः 7. तत्समशब्दान् लिखत– (तत्सम शब्द लिखिए– Write these words as they are in Sanskrit.)

मामा ....
मोर ....
तारा ....
कोयल ....
कबूतर ....

उत्तरम्– (क) मातुलः (ख) मयूरः (ग) तारकम् (घ) कोकिलः (ङ) कपोतः।

LearnCBSE.in

बहुविकल्पीयप्रश्नाः

LearnCBSE.in

(1) उचितेन विकल्पस्य प्रयोगे वाक्यपूर्तिं कुरुत। (उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए। Complete the sentences by using the correct option.)

(क) (i) कथमायासि न भो! मम .... । (स्नेहम्, गेहम्, मातुलम्)

(ii) त्वरितमेहि मां श्रावय .... । (नीतिम्, प्रीतिम्, गीतिम्)

(iii) नैव दृश्यते क्वचिद् .... । (अवकाशः, नीलाकाशः, चंद्रः)

(iv) .... तव चंद्रिकावितानम्। (तारकखचितम्, धवलम्, सितपरिधानम्)

(v) मातुल! किरसि .... न स्नेहम्? (किम्, मम, कथम्)

उत्तरम्– (i) गेहम्, (ii) गीतिम्, (iii) अवकाशः, (iv) धवलम्, (v) कथम्।

(ख) (i) कुत्र .... मातुलचंद्र? (गमिष्यति, गमिष्यन्ति, गमिष्यसि)

(ii) किं त्वं .... उपहारं दास्यसि? (माम्, मम्, मह्यम्)

(iii) कुतः आगच्छसि .... । (मातुलचंद्रः, मातुलः, मातुलचंद्र)

(iv) .... ! वर्धय में प्रीतिम्।(प्रिय मातुलः!, प्रिय मातुल!, प्रियः मातुलः)

(v) मातुलचंद्रः कुत्र .... ? (गमिष्यसि, गमिष्यति, गमिष्यामि)

उत्तरम्– (i) गमिष्यसि, (ii) मह्यम्, (iii) मातुलचंद्र, (iv) प्रिय मातुल, (v) गमिष्यसि।

(2) उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नान् उत्तरत– (उचित विकल्प चुनकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– Pick out the correct option and answer the questions.)

(i) अस्मिन् बालगीते मातुलः कः अस्ति? (सूर्यः, चंद्रः, बालकः)

(ii) बालकः कं संबोधयति? (आकाशम्, चंद्रिकावितानम्, मातुलचंद्रम्)

(iii) नीलाकाशः कीदृशः वर्तते। (विस्तृतः, धवलः, प्रियः)

(iv) सितपरिधानम् कथं खचितम्? (स्नेहेन, चंद्रिकया, तारकैः)

(v) मातुलचंद्रः कुत्र न आयाति/आगच्छति। (गेहम्, आकाशम्, स्नेहम्)

उत्तरम्– (i) अस्मिन् बालगीते चंद्रः मातुलः वर्तते।

(ii) बालकः मातुलचंद्र संबोधयति।

(iii) नीलाकाशः विस्तृतः वर्तते।

(iv) सितपरिधानम् तारकैः खचितम्।

(v) मातुलचंद्रः गेहम् न आयाति।

❑❑❑

LearnCBSE.in

अतिरिक्त अभ्यासः

LearnCBSE.in

(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरयत। (मञ्जूषा की सहायता से रिक्त स्थान भरिए। Fill in the blanks with help from the box.)

दास्यसि, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः

(i) त्वरितमेहि मां .... श्रावय। (ii) .... आगच्छसि मातुलचंद्र?

(iii) .... गमिष्यसि मातुलचंद्र? (iv) .... ! किरसि कथं न स्नेहम्?

(v) मह्यम् .... मातुलचंद्र?

उत्तरम्– (i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (v) दास्यसि।

(2) मञ्जूषातः समानार्थकं पदं चित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषा से समानार्थक शब्द चुनकर सामने रिक्त स्थान में लिखिए। Pick out the word having similar meanings and write down in the blank space.)

त्वरितम्, आयासि, एहि, आकाशः, प्रीतिम्, गेहम्

(i) आगच्छसि .... (ii) आगच्छ .... (iii) गगनम् ....

(iv) शीघ्रम् .... (v) गृहम् .... (vi) स्नेहम् ....

उत्तरम्– (i) आयासि, (ii) एहि, (iii) आकाशः, (iv) त्वरितम्, (v) गेहम्, (vi) प्रीतिम्।

(3) भिन्नप्रकृतिकम् पदं चिनुत। (भिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए। Pick out the word that is different from the rest.)

(i) बालिका, बालकः, बालकौ, गृहम्।

(ii) आगमिष्यति, आनयति, आगच्छति, आगच्छ।

(iii) कदा, कः, कुत्रः, कुतः।

(iv) छात्रान्, छात्रेभ्यः, छात्राणाम्, छात्रस्य।

उत्तरम्– (i) बालकौ, (ii) आगच्छ, (iii) कः, (iv) छात्रस्य।

(4) मञ्जूषातः उचितम् अव्ययपदं चित्वा अधोदत्तान् प्रश्नान् पूरयत– (मञ्जूषा से उचित अव्ययपद चुनकर निम्नलिखित प्रश्न पूरे कीजिए– Pick out the appropriate indeclinable from the box and complete the questions given below.)

किम्, कदा, कुतः, कथम्, कुत्र

(i) बालक! त्वम् इदानीं .... गच्छसि?

(ii) बालिके! त्वम् इदानीं .... आगच्छसि?

(iii) .... त्वम् इदानीं आपणम् गच्छसि?

(iv) .... प्रयास्यसि मातुलचंद्र?

(v) छात्राः विद्यालयात् .... आगच्छन्ति?

उत्तरम्– (i) कुत्र, (ii) कुतः, (iii) किम्, (iv) कथम्, (v) कदा।

LearnCBSE.in

*********** END **********